दिल्ली परिवहन निगम की बसों के बेड़े में और बसों का शामिल किया जाना

950. **सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :** क्या **जल-मूतल परिवहन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि 1988–89 के वर्ष के दौरान दिल्ली परिवहन निगम की बसों के बेड़े में और बसों के शामिल किये जाने का कोई प्रस्ताव था;

(ख) यदि हां, तो शामिल की जाने वाली इन बसों की कुल संख्या कितनी है;

(ग) इस प्रस्ताव के कब तक कार्यान्वित किये जाने की संभावना है; और

(घ) इस वर्ष के प्रारम्भ में बसों के बेड़े में कुल कितनी बसें चल रही थीं और चालू वर्ष की समाप्ति पर इन बसों की कुल संख्या कितनी हो जाने की संभावना है?

जल-मूतल परिवहन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री राजेश पायलट) : (क) से (ग) 1988–89 में रिप्लेसमेंट के लिए 300 बसें खरीदने का कार्यक्रम बनाया गया था। अब 300 चेसिस खरीदी जा चुकी हैं और बाडी-निर्माण का कार्य चल रहा है। बाडी-निर्माण कार्य पूरा हो जाने पर इन बसों का प्रचालन शुरू कर दिया जाएगा।

(घ) 1–4–1989 की स्थिति के अनुसार दिल्ली परिवहन निगम के पास 4248 बसों का बेड़ा था। चालू वर्ष के दौरान रिप्लेसमेंट के लिए 506 बसें खरीदने का प्रस्ताव है जिससे वर्ष के अंत में इस बेड़े में 4248 बसें बनी रहेंगी।

मणिपुर के मोलचाम गांव का बर्मा को अन्तरण

951. **सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :** क्या **विदेश** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान दिनांक 3 जून, 1989 के 'टाइम्स आफ इंडिया' में "प्रोटेस्ट अनेन्स्ट ट्रान्सफर आफ विलेज टू बर्मा" शीर्षक के अन्तर्गत प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार द्वारा मणिपुर के मोलचाम गांव को बर्मा को अन्तरित करने का कोई निर्णय लिया गया था;

(ग) यदि हां, तो यह निर्णय कब लिया गया; और

(घ) बर्मा की सेना के सैनिकों द्वारा इन गांवों में रहने वालों को परेशान करने के समाचारों के संबंध में तथ्य क्या हैं?

विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री के० नटवर सिंह) : (क) जी, हां।

(ख) जी, नहीं।

(ग) प्रश्न नहीं उठता।

(घ) ऐसी कोई घटनाएं नहीं हैं जिनमें बर्मा के सैनिक शामिल हों। तथापि, कुछ ऐसी घटनाएं हैं जिनमें बर्मा के राष्ट्रिक शामिल हैं।

दिल्ली की पुनर्वास बस्तियों में सरकारी स्कूल

952. **सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :** क्या **मानव संसाधन विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली में 42 पुनर्वास बस्तियों की अधिक जनसंख्या को देखते हुए प्रशासन इन बस्तियों में शिक्षा सम्बन्धी समुचित सुविधाएं प्रदान नहीं कर पाया है;

(ख) यदि नहीं, तो 1988–89 के शिक्षा सत्र के अन्त में इन बस्तियों में सरकार द्वारा कितने सीनियर सैकेन्डरी स्कूल चलाये जा रहे हैं; और

(ग) ऐसे कितने स्कूल हैं जहां 12वीं कक्षा तक विज्ञान के विषय पढ़ाये जाने की सुविधा है और ऐसे कितने कन्या-विद्यालय हैं जो 12वीं कक्षा तक शिक्षा प्रदान करते हैं?

मानव संसाधन विकास मंत्री (श्री पी० शिव शंकर): (क) से (ग) पुनर्वास कालोनियों में पर्याप्त शैक्षिक सुविधाएं प्रदान करना दिल्ली प्रशासन का प्रयास रहा है। शैक्षिक सन 1988–89 तक पुनर्वास कालोनियों में 28 सीनियर सैकेन्डरी स्कूल कार्य कर रहे थे। इनमें से 6 स्कूल ऐसे हैं जहां विज्ञान विषय को आरंभ कर दिया गया है। इस के साथ ही इन 28 सीनियर सैकेन्डरी स्कूलों में से 13 स्कूल लड़कियों के लिए हैं।

Delay in delviery of Airbus A-320

953. SHRI SURESH KALMADI: Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to state:

(a) what are the reasons for the delay in the delivery of Airbus A-320; and

(b) by when the entire lot of Airbus is likely to be delivered?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI SHIVRAJ PATIL): (a) Initial delivery of a few aircraft of the batch of 19 Airbus A-320 aircraft were revised due to delay in the Certification Programme of V-2500 engines.

(b) Indian Airlines has placed orders for the purchase of 31 Airbus A-320 aircraft from M/s. Airbus Industries, France. So far IA has received 5 Airbus A-320 aircraft. The delivery schedule of the remaining aircraft is as follows:—

Aug. 1989	— 2
Sept. - '89	— 2
Oct. '89	— 1
Nov. '89	— 2
Dec. '89	— 2
Jan. 1990	— 2
Feb. 90	— 1
Mar. '90	— 2
Dec. '90	— 2
Jan. 1991	—2
Feb. '91	— 1
March '91	— 1
Nov. '91	— 2
Dec. '91	— 3
Jan. 1992	— 1
Total	26

418 डाउन ऊंचाहार एक्सप्रेस ट्रेन में सीटों का कोटा

954. **श्री विश्वासराव रामराव पाटिल**: क्या **रेल** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि लालगंज रेलवे स्टेशन, रायबरेली पर 418 डाउन ऊंचाहार एक्सप्रेस ट्रेन का केवल 4 सीटों का कोटा आवंटित किया गया है, जिसकी वजह से यात्रियों को काफी असुविधा हो रही है;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार इस रेलगाड़ी में इस कोटे को बढ़ाने का कोई विचार रखती है; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?